



Sri Sathya Sai Sadhana Trust

Publications Division, Prasanthi Nilayam

CHAMAKAM

3rd Anuvaka

शं च मे मयश्च मे
śam ca me mayāśca me
प्रियं च मेऽनुकामश्च मे
priyam ca me'nukāmaśca me
कामश्च मे सौमनसश्च मे
kāmaśca me saumaṇasaśca me
भद्रं च मे श्रेयश्च मे
bhadraṁ ca me śreyaśca me
वस्यश्च मे यशश्च मे
vasyaśca me yaśaśca me
भगश्च मे द्रविणं च मे
bhagaśca me draviṇaṁ ca me
यन्ता च मे धर्ता च मे
yantā ca me dhartā ca me
क्षेमश्च मे धृतिश्च मे
kṣemaśca me dhṛtiśca me

विश्वं च मे महश्च मे
viśvaṁ ca me mahāśca me
संविच्च मे ज्ञात्रं च मे
saṁvicca me jñātraṁ ca me
सूश्च मे प्रसूश्च मे
sūśca me prasūśca me
सीरं च मे लयश्च म
sīraṁ ca me layaśca ma
ऋतं च मेऽमृतं च मे
ṛtaṁ ca me 'mr̥taṁ ca me
अयक्ष्मं च मेऽनामयच्च मे
ayaḁkṣmaṁ ca me 'nāmayacca me
जीवातुश्च मे दीर्घायुत्वं च मे
jīvātuśca me dīrghāyutvaṁ ca me
अनमित्रं च मेऽभयं च मे
anamitraṁ ca me 'bhayaṁ ca me
सुगं च मे शयनं च मे
sugaṁ ca me śayanaṁ ca me
सूषा च मे सुदिनं च मे ॥३॥
sūṣā ca me sudinaṁ ca me ॥3॥